पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग

मानविकी एवं भाषा संकाय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया: परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना में अलीगढ़ में हुई 1920 थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार}kjk चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन , मुख़्तार अहमद .डॉ ,हकीम अजमल ख़ां ,मौलाना मोहम्मद अली ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन .अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ ,अंसारी ,ल्लिया इस्लामिया की स्थापना कीलोगों ने न केवल जामिया मि पसीने से सींच कर आबाद भी किया।-बल्कि इस चमन को अपने ख़ून

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अलीगढ़ से दिल्ली 1925 स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रोंके सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहासउसकी संस्कृति तथा इस्लाम के , इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में इस्लाम की शिक्षा के साथसाथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति - जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में

अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्यआधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर - नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा ,बीएस.डी., फिजियोथेरेपी इंजीनियरिंग , फ़ाइन ,कॉमर्सvkVlसूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा ,जनसंचार , के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दूहिन्दी तथा अंग्रेज़ी , है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समयसमय पर - पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नयेनये तरीक़े तथा - त्व विकास पर विशेष बल।व्यक्ति

(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।

(ग) अन्तरअनुशासनात्मक अध्ययन।-

(घ) राष्ट्रीय एकताधर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ। ,

हिन्दी विभाग: संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठनपाठन - साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया विश्वविद्यालय की स्थापना के के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं अध्यापन होता रहा-साहित्य का अध्ययन। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व ठ्यक्रम प्रारंभ में यहाँ स्नातकोत्तर पा 1983 के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा .ए .किया गया। एम रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् में विभाग में 1994 जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। .वी .में हिन्दी विभाग में टी 2001 इसकी सफलता को देखते हुए सन् पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बीऑनर्स .ए . ,(हिन्दी) मास मीडियाएमअध्यापन -फिल् का अध्ययन.और एम .ए . भी हो (.डी .पीएच) कार्य-से निरंतर यहाँ शोध 1985 हो रहा है। सन् रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन संबंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो ,(अध्यक्ष) दुर्गा प्रसाद गुप्त .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएच.डी . (नई दिल्ली ,जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)
2. प्रो ,महेन्द्रपाल शर्मा .एम ,.ए.एम ,.फिल्.पीएचजवाहरलाल) .डी . (नई दिल्ली ,नेहरू विश्वविद्यालय
3. प्रोहेमलता म .हिश्वर ,एम ,.ए.बी ,.एड .एम ,.फिल्.पीएचगुरू) .डी . (विलासपुर ,घासीदास विश्वविद्यालय
4. डॉ ,कृष्ण कुमार कौशिक .एम ,.ए.एम ,.फिल्.पीएचदिल्ली) .डी . (दिल्ली ,विश्वविद्यालय
5. डॉ ,अनिल कुमार .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएचअलीगढ़ मुस्लिम) .डी . (अलीगढ़ ,विश्वविद्यालय
6. डॉ इन्दु .वीरेन्द्रा ,एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएचजामिया मिल्लिया).डी . (नई दिल्ली ,इस्लामिया
7. डॉ ,चन्द्रदेव सिंह यादव .एम ,.ए.पीएचजामिया मिल्लिया) .डी . इस्लामिया, नई दिल्ली(
8. डॉ ,नीरज कुमार .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएचदिल्ली).डी . विश्वविद्यालय, दिल्ली(
9. डॉ कहकशां .एहसान साद ,एम ,.ए.पीएचअलीगढ़ मुस्लिम) .डी . विश्वविद्यालय, अलीगढ़(
10. डॉ ,विवेक दुबे .एम ,.ए.पीएच ,जामिया मिल्लिया इस्लामिया) .डी . (नई दिल्ली
11. डॉ ,दिलीप कुमार शाक्य .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएच . जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय).डी, नई दिल्ली(

12. डॉ ,अब्दुर्रहमान मुसव्विर .एम,.ए . एम,.एड . पीडिप्लोमा मास .जी. ,मीडिया एम ,.फिल् .पीएचनई ,जामिया मिल्लिया इस्लामिया) .डी . (दिल्ली
13. डॉ ,मुकेश कुमार मिरोठा .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएच.डी . जामिया) (नई दिल्ली ,मिल्लिया इस्लामिया
14. डॉ ,अजय कुमार नावरिया .एम ,.ए .एम ,.फिल् .पीएच .डी . जवाहरलाल)नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली(

एम.ए. हिन्दी

अनुक्रम **Ik"B I[;k**

सत्र - 1

पाठ्यक्रम 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	13
पाठ्यक्रम 2	मध्यकाल-I	15
पाठ्यक्रम 3	मध्यकाल-II	19
पाठ्यक्रम 4	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	23
	(क) जायसी	23
	(ख) तुलसीदास	25
	(ग) घनानंद	27

सत्र-2

पाठ्यक्रम 5	भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत	31
पाठ्यक्रम 6	हिन्दी भाषा का इतिहास	33
पाठ्यक्रम 7	आधुनिक कविता-I	35
पाठ्यक्रम 8	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	38
	(क) भारतेंदु हरिश्चन्द्र	38
	(ख) जयशंकर प्रसाद	40
	(ग) निराला	42

सत्र-3

पाठ्यक्रम 9	नाटक और रंगमंच	47
पाठ्यक्रम 10	आधुनिक कविता-II	49
पाठ्यक्रम 11	हिन्दी कहानी	52
पाठ्यक्रम 12	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	54
	(क) फणीश्वरनाथ रेणु	54

(ख) अज्ञेय 56
(ग) हबीब तनवीर 59

सत्र-4

पाठ्यक्रम 13 हिन्दी आलोचना 63
पाठ्यक्रम 14 कथेतर गद्य 65
पाठ्यक्रम 15 हिन्दी उपन्यास 67
पाठ्यक्रम 16 वैकल्पिक पाठ्यक्रम 69
(क) भारतीय साहित्य 69
(ख) संस्कृत साहित्य 71
(ग) उर्दू साहित्य 74

एम.ए. हिन्दी

सत्र-1

पाठ्यक्रम 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **हिन्दी साहित्येतिहास लेखन का परिचय**

हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
काल-विभाजन एवं नामकरण
आदिकालीन साहित्य

इकाई-2 **मध्यकाल**

भक्तिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
भक्ति की विविध धाराएँ
रीतिकाल : दरबारी संस्कृति एवं सौन्दर्यबोध
रीति साहित्य की विभिन्न धाराएँ

इकाई-3 **आधुनिक काल**

हिन्दी नवजागरण का विकास
खड़ी बोली हिन्दी काव्य : भारतेन्दु युग, f}onh युग, छायावाद, प्रगतिवाद प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, समकालीन कविता

इकाई-4 **गद्य साहित्य**

खड़ी बोली गद्य साहित्य का विकास
नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी एवं अन्य विधाएँ

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	अवधेश प्रधान
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारीप्रसाद f}onh
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद f}onh
7. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. नगेन्द्र
9. साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
13. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
14. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी

पाठ्यक्रम 2 मध्यकाल-1 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **भक्ति काव्य का परिचय**

भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि

भक्ति आंदोलन

युगीन परिवेश

इकाई-2 **भक्ति काव्य की अवधारणा**

भक्ति का स्वरूप

भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएँ: संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य

लोक-सम्बद्धता और भक्ति काव्य

भक्ति काव्य की भाषा

इकाई-3 **निर्धारित पाठ**

1. कबीर

पद

1. हमारे गुर दीन्हीं अजब जरी
2. दुलहिनी गावहु मंगलचार
3. संतो ई मुरदन कै गाउं
4. हम न मरैं मरिहैं संसारा
5. रस गगन गुफा मैं अजर झरे

साखियाँ

1. सतगुर मेरा सूरिवां
2. जाके मुंह माथा नहीं
3. पानी ही तैं हिम भया
4. बिरहा बिरहा मत करौ

2. जायसी : (मानसरोदक खंड, जायसी ग्रंथावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

3. सूरदास

पद

1. अविगत गति कछु कहत न आवै
2. संदेसो देवकी सों कहियो
3. बूझत स्याम कौन तू गोरी
4. आये जोग सिखावन पांड़े
5. अंखिया हरि दरसन की भूखीं
6. पिउ बिन नागिन कारी रात
7. हरि हैं राजनीति पढ़ि आये
8. ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं

इकाई-4 **निर्धारित पाठ**

1. तुलसीदास: अयोध्या कांड (रामचरितमानस)
चलत पयादें खात फल... से लेकर राम सैल सोभा निरखि... तक, (छंद सं. 222 से 236)

2. **रसखान : सवैया / दो सुखने**

1. मानुष हौं तौ वही रसखानि
2. वा लकुटी अरु कामरिया पर
3. धूरि भरे अति सोभित स्यामजू
4. जा दिन तें वह नंद को छोहरा
5. उनहीं के सनेहन सानी रहैं
6. खंजन नैन फंदे पिंचरा छबि
7. काहू को माखन चाखि गयौ
8. प्रेम प्रेम सब कोउ कहत
9. अति सूछम कोमल अतिहि

3. मीरांबाई : पद

1. बसयां म्हारे णेणण मां नंदलाल
2. म्हां गिरधर आगां णाच्यारी
3. म्हारां री गिरधर गोपाल दूसरां णां कूयां
4. नहिं सुख भावे थंरो देसलड़ो रंगरूड़ो
5. राणाजी थे क्यांने राखो म्हांसूं बैर
6. पग बांध घूंघर्यां णाच्यांरी
7. राणो जी थे जहर दियो म्हे जाणी
8. हेरी म्हा तो दरद दिवाणां

(मीरांबाई की पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी)

निर्देश : इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथः

1.	कबीर	हजारीप्रसाद f}onh
2.	जायसी	विजयदेव नारायण साही
3.	सूफी मत: साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
4.	हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
5.	जायसी	सं. सदानंद साही
6.	सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
7.	महाकवि सूरदास	नंददुलारे वाजपेयी
8.	सूर साहित्य	हजारीप्रसाद f}onh
9.	गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
10.	गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
11.	भक्ति काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
12.	भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
13.	लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
14.	भक्ति काल में भारतीय रहस्यवाद	राधेश्याम दूबे
15.	मीरां का काव्य	विश्वनाथ त्रिपाठी
16.	सूरदास	मैनेजर पाण्डेय
17.	कबीर अकेला	रमेशचन्द्र मिश्र
18.	कबीर- अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल

पाठ्यक्रम 3 मध्यकाल-2 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **रीतिकाव्य का परिचय**

रीतिकालीन परिवेश और रीतिकाव्य
दरबारी संस्कृति
सामंती संस्कृति और लोक संस्कृति
काव्य-रूप

इकाई-2 **रीतिकाव्य का स्वरूप**

लक्षण ग्रंथों का प्रभाव
रीतिकाव्य की विभिन्न धाराएँ
रीतिकालीन सौंदर्यबोध
रीतिकाव्य की भाषा

इकाई-3 **निर्धारित पाठ**

1. **केशव दास : रामचंद्रिका - दूसरा प्रकाश**
2. **देव : कवित्त - सवैया**
   1. देव सबै सुखदायक संपति
   2. औचक अगाध सिंधु स्याही को उमड़ि आयो
   3. रीझि-रीझि रहसि-रहसि हंसि-हंसि उठैं
   4. रावरो रूप रह्यो भरि नैननि
   5. बालम बिरह जिन जान्यो न जनम भरि
   6. सांसन ही सौं समीर गयो
   7. ऐसो जो हौं जानतो कि जैहै तू विषै के संग
   8. सांधी सुध बुंदन सौ कुन्दन की बेलिकिधौं

3. बिहारी : दोहे

1. मेरी भव बाधा हरौ
2. मैं समुझ्यौ निराधार
3. अति अगाध अति औथरो
4. आवत जात न जानियत
5. तंत्री नाद कबित्त रस
6. कहत नटत रीझत खिझत
7. सहज सेत पंचतोरिया
8. दृग उरझत टूटत कुटुम
9. औंधाई सीसी सु लखि
10. अजौं तर्यौना ही रह्यो
11. जौ वाके तन की दसा
12. घाम घरीक निवारियै

इकाई -4 **निर्धारित पाठ**

1. **घनानंद : कवित्त-सवैया**

(घनानंद कवित्त : सं.आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

1. जासों प्रति ताहि निठुराई सों निपट नेह
2. हीन भएं जल मीन अधीन
3. पहिलें घनआनंद सींचि सुजान
4. रावरे रूप की रीति अनूप
5. आसा-गुन बांधि कै भरोसो-सिल धरि छाती
6. नैनन में लागे जाय, जागे सु करेजे बीच
7. अति सूधो सनेह को मारग है
8. उर-भौन मैं मौन को घूंघट कै

2. पद्माकर : कवित्त-सवैया

1. घर ना सुहात ना सुहात बन-बाहर हू
2. गोकुल के कुल के गली के गोप-गांवन के
3. जाहिरै जागत सी जमुना, जब बूड़े
4. बोलति न काहे एरी, पूछे बिन बोलौ कहा
5. कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में
6. औरै भांति कुंजन में गुंजरत भौंस-भीर
7. लागत बसंत के सु पाती लिखी प्रीतम कों
8. फाग के भीर अभीरन मैं

3. रहीम : बरवै

1. बंदौं देबि सरदवा
2. लहरत लहर लहरिया
3. खीन मलीन बिखभैया
4. कासों कहौं संदेसवा
5. लैके सुघर खुरपिया
6. लोग लुगाई हिल मिल

दोहे

1. अच्युत चरन तरंगिनी
2. कदली सीप भुजंग मुख
3. खीरा सिर तें काटिये
4. छिमा बड़ेन को चाहिए
5. रहिमन प्रीति सराहिये
6. रहिमन याचकता गहे
7. ये रहीम दर दर फिरहिं

निर्देश : इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	रहीम रचनावली	सं. विद्यानिवास मिश्र
2.	घनानन्द का काव्य	रामदेव शुक्ल
3.	दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4.	बिहारी : नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
5.	सनेह को मारग	इमरै बंघा
6.	हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम 4 (क) जायसी 4 क्रडिट 100(75+25)

इकाई -1 **सूफीमत का परिचय**

भारत में सूफीमत का विकास
मध्यकालीन भक्ति साधना और सूफीमत
सूफीमत की परम्परा
फारसी और हिन्दी सूफी काव्य
रहस्यवाद

इकाई- 2 **जायसी और सूफीमत**

सूफी प्रेमाख्यान की परम्परा और जायसी का काव्य
जायसी की कविता में लोक तत्व
सूफीमत और जायसी की कविता
काव्य रूप और काव्य भाषा

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

पद्मावत -सं. रामचन्द्र शुक्ल

1. प्रेम खंड
2. सिंहलदीप खंड
3. नागमती वियोग खंड
4. पद्मावती-नागमती-सती खंड

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

अखरावट, सं. रामचन्द्र शुक्ल : छंदः 1-15
आखिरी कलाम, सं. रामचन्द्र शुक्ल: छंदः 14-28

निर्देश : इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. जायसी	विजयदेव नारायण साही
2. जयासी ग्रंथावली(भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
4. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
5. सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
6. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान	चन्द्रबली पाण्डेय
7. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पाण्डेय
8. मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान	नित्यानंद तिवारी
9. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम 4 (ख) तुलसीदास 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **भक्तिकाल और तुलसी**

भक्तिकालीन परिवेश और तुलसी की कविता
तुलसी की भक्ति
तुलसी का दर्शन
वर्ण व्यवस्था एवं तुलसी का समाज

इकाई- 2 **तुलसी-काव्य की प्रवृत्तियाँ**

लोकमंगल एवं समन्वय की भावना
रामकाव्य की परम्परा और तुलसी
काव्य-रूप एवं काव्य-भाषा
तुलसीदास का सौन्दर्यबोध

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

रामचरितमानस (गीता प्रेस) : बालकांड (जनक वाटिका प्रसंग- 227 से 239 तक)
विनय पत्रिका (गीता प्रेस) : पद सं.66, 72, 73, 76, 79, 105, 111, 157, 162, 174

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

कवितावली (गीता प्रेस) : बालकांड- 1, 3, 5
अयोध्या कांड 1, 2
उत्तर कांड 96, 97, 98, 99, 100
रामलला नहछू (गीता प्रेस) : सम्पूर्ण

निर्देश : इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
2.	गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3.	लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
4.	तुलसी दर्शन मीमांसा	उदयभानु सिंह
5.	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	रामविलास शर्मा
6.	तुलसी आधुनिक वातायन से	रमेशकुंतल मेघ
7.	मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम 4 (ग) घनानंद 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **रीतिकाल और घनानंद**

रीतिकालीन परिवेश और घनानंद
रीतिकाव्य की परम्परा में घनानंद
रीतिमुक्त काव्य धारा और घनानंद
घनानंद का प्रेम विषयक दृष्टिकोण

इकाई- 2 **घनानंद का काव्यबोध**

घनानंद की प्रेमानुभूति
घनानंद की विरहानुभूति
घनानंद का काव्य-सौंदर्य
घनानंद की काव्य-भाषा

इकाई-3 **निर्धारित पाठ**

कवित्त सवैया

छंद सं. - 1, 6, 12, 13, 15, 16, 23, 27, 33, 34, 39, 43, 51, 59, 60, 68, 70, 82, 84, 86, 91, 92, 93, 97, 104.

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

कवित्त सवैया

छंद सं. 106, 128, 131, 135, 146, 152, 159, 163, 169, 186, 189, 195, 205, 208, 212,

267, 274, 324, 428, 435, 478, 491, 493, 496, 500.

(घनानंद कवित्त: सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

निर्देश: इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	घनानंद का काव्य	रामदेव शुक्ल
2.	सनेह को मारग	इमरे बंघा
3.	दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4.	रीति काव्य की भूमिका	नगेन्द्र
5.	हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह

एम.ए. हिन्दी

सत्र-2

पाठ्यक्रम 5 भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत
4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **भारतीय साहित्य सिद्धांत : विभिन्न सम्प्रदाय**
रस
अलंकार
रीति
ध्वनि
वक्रोक्ति

इकाई- 2 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत - I**
अभिव्यंजनावाद
कल्पना सिद्धांत
मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत
रूपवाद

इकाई- 3 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत - II**
मनोविश्लेषणवादी सिद्धांत
अस्तित्त्ववादी साहित्य सिद्धांत
नई समीक्षा

इकाई- 4 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत - III**
आधुनिकतावाद
संरचनावाद
उत्तर-संरचनावाद

निर्देश : उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
2.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
3.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
4.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
5.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
6.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
7.	आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज़ अहमद
8.	संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र	गोपीचंद नारंग
9.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
10.	आधुनिक परिवेश और अस्तित्त्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
11.	वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिकता	राजेश्वर सक्सेना
12.	अस्तित्त्ववाद और मानववाद	ज्यां पॉल सार्त्र
13.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गा प्रसाद गुप्त
14.	आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
15.	उत्तर-आधुनिकता और उत्तर-संरचनावाद	सुधीश पचौरी
16.	साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
17.	उत्तर-आधुनिकता: विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
18.	आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त

पाठ्यक्रम 6 हिन्दी भाषा का इतिहास 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई -1 **हिन्दी भाषा का विकास**

प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी
हिन्दी का प्रारम्भिक रूप
अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी
डिंगल और पिंगल

इकाई -2 **हिन्दी की प्रमुख विभाषाएँ और बोलियाँ**

विभाषा- पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी, बिहारी, राजस्थानी और पहाड़ी
प्रमुख बोलियाँ: ब्रज, अवधी, भोजपुरी

इकाई -3 **हिन्दी भाषा के प्रमुख रूप**

रेख्ता
हिन्दवी
दकनी
खड़ी बोली : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

इकाई -4 **आधुनिक युग में हिन्दी**

अंग्रेजों की भाषा-नीति
खड़ीबोली आंदोलन
हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी के अंतःसंबंध
राजभाषा के रूप में हिन्दी

निर्देश: उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा का इतिहास	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.	भारतीय भाषा विज्ञान	आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
3.	हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास	हरदेव बाहरी
4.	हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5.	भाषा और समाज	रामविलास शर्मा
6.	भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
7.	हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास	उदयनारायण तिवारी
8.	भाषाशास्त्र की रूपरेखा	उदयनारायण तिवारी
9.	पुरानी हिन्दी	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
10.	हिन्दी भाषा	श्यामसुंदर दास
11.	हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह

पाठ्यक्रम 7 आधुनिक कविता - I 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **नवजागरणकालीन हिन्दी काव्य**

नवजागरण का स्वरूप और विकास
नवजागरण और सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना
भारतेन्दु युगीन काव्य
द्विवेदी युगीन काव्य

इकाई- 2 **छायावाद की प्रवृत्तियाँ**

छायावाद
राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा
आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ
आधुनिक कविता का सौन्दर्यबोध

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

1. **भारतेंदु हरिश्चन्द्र :** हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
2. **मैथिलीशरण गुप्त:** साकेत (नवम सर्ग से)
    1. वेदने तू भी भली बनी
    2. मैं निज अलिंद में खड़ी थी
    3. लाई सखि मालिनें थीं डाली
    4. निरख सखी ये खंजन आए
    5. पूछी थी सुकाल दशा मैंने आज देवर से
    6. हम राज्य लिए मरते हैं
    7. प्रभु को निष्कासन मिला
    8. शिशिर न फिर गिरि वन में
    9. मुझे फूल मत मारो
    10. यही आता है इस मन में

3. **जयशंकर प्रसाद :** लज्जा सर्ग (कामायनी)

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

1. **सुमित्रानंदन पंत :** प्रथम रश्मि, बादल, सांध्य तारा
2. **निराला :** जूही की कली, सरोज-स्मृति
3. **महादेवी वर्मा :**
   1. मैं नीर भरी दुख की बदली,
   2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
   3. कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो,
   4. पंथ होने दो अपरिचित
   5. रात के उर में दिवस की चाह का शर हूँ
4. **दिनकर :** 'रथ सजा, भेरियाँ धमक उठीं' से लेकर 'संहार देह धर खड़ा जहाँ' तक (सप्तम सर्ग-रश्मिरथी)

निर्देश : इकाई तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2.	महावीर प्रसाद f}onh और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
3.	कविता से साक्षात्कार	मलयज
4.	लम्बी कविताओं का रचनाविधान	सं. नरेन्द्र मोहन
5.	साकेत : एक अध्ययन	डॉ. नगेन्द्र
6.	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
7.	कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
8.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
9.	कवि सुमित्रानंदन पंत	नंददुलारे वाजपेयी
10.	महादेवी वर्मा	इन्द्रनाथ मदान
11.	पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
12.	कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
13.	मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र	कृष्णदत्त पालीवाल
14.	महादेवी की रचना प्रक्रिया	कृष्णदत्त पालीवाल
15.	महादेवी	दूधनाथ सिंह
16.	महादेवी के काव्य का नेपथ्य	विजय बहादुर सिंह

पाठ्यक्रम 8 (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **आधुनिक काव्य और भारतेन्दु**

औपनिवेशिकता और भारतेन्दु हरिश्चंद्र
हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु
भारतेन्दु मंडल की भूमिका
आधुनिकता और नई भाषा की निर्मिति

इकाई- 2 **भारतेन्दु : विविध विधाएँ**

हिन्दी पत्रकारिता और भारतेन्दु
भारतेन्दु की कविता
भारतेन्दु के नाटक
भारतेन्दु के निबंध

इकाई- 3 **कविताएँ**

1. प्रेम सरोवर
2. प्रबोधिनी
3. नये जमाने की मुकरी
4. हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
5. प्रात समीरन

इकाई- 4 **नाटक**

1. भारत दुर्दशा 2. विषस्य विषमौषधम् 3. नीलदेवी

निबंध

1. स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन

2. भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है
3. जातीय संगीत
4. लेवी प्राण लेवी

यात्रा वृत्तांत : सरयूपार की यात्रा

निर्देश : इकाई-3 से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2. हरिश्चंद्र	शिवनंदन सहाय
3. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति	शंभुनाथ
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग कल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
5. भारतेन्दु के नाटक	भानुदेव शुक्ल
6. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल
7. रस्साकशी	वीरभारत तलवार
8. हिन्दी नवजागरण	वीरभारत तलवार

पाठ्यक्रम 8 (ख) जयशंकर प्रसाद 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **नवजागरण और जयशंकर प्रसाद**

नवजागरणकालीन परिवेश और प्रसाद
नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
छायावादी काव्य-दृष्टि और प्रसाद
प्रसाद का इतिहास-बोध

इकाई- 2 **प्रसाद-काव्य की प्रवृत्तियाँ**

प्रसाद की दार्शनिक चेतना
महाकाव्य, आख्यान और आधुनिकता
प्रसाद की नाट्य चेतना
भाषिक चेतना एवं काव्य रूप

इकाई- 3 **कविताएँ**

1. dkek;kuh : चिंता सर्ग
2. आँसू :

इस करुणा कलित हृदय में
ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
जो घनीभूत पीड़ा थी
शशि मुख पर घूंघट डाले
बाँधा था विधु को किसने
मुख-कमल समीप सजे थे
मानव जीवन वेदी पर
सबका निचोड़ लेकर तुम

3. प्रलय की छाया
4. अरुण यह मधुमय देश
5. बीती विभावरी

इकाई- 4 **गद्य साहित्य**

1. उपन्यास : कंकाल
2. कहानियाँ : 1. ग्राम 2. गुंडा 3. आकाशदीप
3. नाटक : 1. चंद्रगुप्त 2. ध्रुवस्वामिनी

निर्देश : इकाई तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद	नन्ददुलारे वाजपेयी
2. प्रसाद का काव्य	प्रेमशंकर
3. छायावाद	नामवर सिंह
4. कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
5. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. छायावाद की प्रासंगिकता	रमेशचन्द्र शाह

पाठ्यक्रम : 8 (ग) निराला 4 क्रेडिट 100(75+25)

इकाई- 1 **नवजागरण और निराला**

निराला का युगीन परिदृश्य
नवजागरण, स्वाधीनता आंदोलन और निराला
छायावादी काव्य संस्कार और निराला
निराला की प्रगतिशीलता और नया मानवतावाद

इकाई- 2 **निराला काव्य की प्रवृत्तियाँ**

सामंतवाद और उपनिवेशवाद
निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना
गीत, प्रगीत और मुक्त छंद
निराला की भाषा

इकाई- 3 **कविताएँ** :

1. राम की शक्तिपूजा
2. सरोज स्मृति
3. (प्रिय) यामिनी जागी
4. जागो फिर एक बार (दोनों भाग)
5. भिक्षुक
6. बांधो न नाव इस ठाँव बंधु

इकाई- 4 **गद्य साहित्य :**

उपन्यास 1. अलका 2. कुल्ली भाट
कहानियाँ 1. देवी 2. अर्थ
निबंध 1. मेरे गीत और कला
2. हिन्दू-मुस्लिम कवियों का विचार साम्य

निर्देश : इकाई तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना(तीनों भाग)	रामविलास शर्मा
2. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
3. निराला : एक आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
4. क्रांतिकारी कवि निराला	बच्चन सिंह
5. निराला	रामविलास शर्मा
6. साहित्य स्रष्टा निराला	राजकुमार सैनी
7. निराला की जातीय चेतना	नीरज कुमार

एम.ए. हिन्दी

सत्र-3

पाठ्यक्रम 9 नाटक और रंगमंच 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **नाटक : परंपरा और विकास**

नाटक और रंगमंच : स्वरूप एवं संरचना
नाटक की भारतीय परम्परा
नाटक की पाश्चात्य परम्परा
पारसी थिएटर
हिन्दी नाटक का विकास

इकाई- 2 **हिन्दी रंगमंच**

हिन्दी रंगमंच का विकास
हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका
रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ
रंगभाषा

इकाई- 3 **निर्धारित नाटक**

अंधेर नगरी	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
स्कंदगुप्त	जयशंकर प्रसाद

इकाई- 4 **निर्धारित नाटक**

आधे-अधूरे	मोहन राकेश
अंधा युग	धर्मवीर भारती

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. नाटक और रंगमंच	सं. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन	नेमिचंद जैन
3. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	दशरथ ओझा
4. हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
5. आज के रंग नाटक	सं. सुरेश अवस्थी
6. रंगभाषा	नेमिचंद्र जैन
7. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
8. प्रसाद का नाट्य-कर्म	सत्येन्द्र तनेजा

पाठ्यक्रम 10 आधुनिक कविता-2 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **छायावादोत्तर काव्य का परिचय**

छायावादोत्तर काव्य आंदोलनों की पृष्ठभूमि
प्रगतिवादी कविता
प्रयोगवादी कविता
नई कविता

इकाई- 2 **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता**

साठोत्तरी कविता
समकालीन कविता
प्रमुख विचारधाराएँ
काव्य-भाषा

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

अज्ञेय : हरी घास पर क्षण भर, दीप अकेला, नदी के द्वीप
नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है
मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल गलती

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

शमशेर बहादुर सिंह	:	एक पीली शाम, बात बोलेगी, टूटी हुई बिखरी हुई
धूमिल	:	मोचीराम, शब्द जहाँ सक्रिय हैं
रघुवीर सहाय	:	रामदास, अधिनायक
विष्णु खरे	:	लालटेन जलाना, इकबाल, बेटी

निर्देश : इकाई तीन और चार से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
2.	नई कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
3.	समकालीन कविता का व्याकरण	परमानन्द श्रीवास्तव
4.	कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
5.	आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
6.	नई कविता और अस्तित्त्ववाद	रामविलास शर्मा
7.	प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8.	कविता का अर्थात	परमानन्द श्रीवास्तव
9.	शमशेर का काव्यलोक	जगदीश कुमार
10.	अज्ञेय की काव्य तितिर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
11.	मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
12.	मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	नन्दकिशोर आचार्य
13.	नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
14.	फिलहाल	अशोक वाजपेयी
15.	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष	कृष्णमोहन
16.	नई कविता के अंक	सं. जगदीश गुप्त

पाठ्यक्रम 11 हिन्दी कहानी 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **कहानी का विकास**

आख्यान और कथा-संरचना
आख्यायिका, कथा और कहानी
प्रारम्भिक हिन्दी कहानी
हिन्दी कहानी पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव

इकाई- 2 **हिन्दी कहानी का विकास**

स्वाधीनता-पूर्व कहानी
नई कहानी एवं अन्य कहानी आंदोलन
समकालीन कहानी

इकाई- 3 **निर्धारित कहानियाँ**

दुलाई वाली	बंग महिला
उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
नशा	प्रेमचन्द
देवरथ	जयशंकर प्रसाद
उसकी माँ	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
विपथगा	अज्ञेय

इकाई- 4 **निर्धारित कहानियाँ**

लंदन की एक रात	निर्मल वर्मा
डिप्टी कलक्टरी	अमरकांत

अमृतसर आ गया है	भीष्म साहनी
यही सच है	मन्नू भंडारी
हास्य रस	ज्ञानरंजन
पार्टीशन	स्वयं प्रकाश

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2.	आज की हिन्दी कहानी	विजय मोहन सिंह
3.	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
4.	कुछ कहानियाँ : कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
5.	कहानी : समकालीन चुनौतियाँ	शम्भू गुप्त
6.	हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश	मधुरेश
7.	समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगाप्रसाद विमल
8.	हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
9.	समकालीन हिन्दी कहानी	पुष्पपाल सिंह
10.	कहानी समय	कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम 12 (क) फणीश्वरनाथ रेणु 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **रेणु और उनका समाज**

स्वाधीन भारत का ग्राम-समाज

रेणु की आंचलिकता

रेणु की विचारधारा

इकाई- 2 **रेणु की कथा-संकल्पना**

रेणु और याथार्थवाद

रेणु की पात्र परिकल्पना

रेणु की कथा-भाषा

इकाई- 3 **निर्धारित उपन्यास**

1. मैला आंचल 2. परती परिकथा

इकाई- 4 **निर्धारित कहानियाँ एवं रिपोर्ताज**

कहानियाँ : ठुमरी (कहानी संग्रह)

रिपोर्ताज : पटना- जलप्रलय उर्फ धनजल

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	रेणु संचयन	सुवास कुमार
2.	मैला आंचल की रचना प्रक्रिया	देवेश ठाकुर
3.	फणीश्वरनाथ रेणु	सुरेन्द्र चौधरी
4.	आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु	सुवास कुमार
5.	फणीश्वरनाथ रेणु अर्थात मृदंगिए का मर्म	सं. भारत यायावर
6.	हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवनसत्य	इन्दु प्रकाश पाण्डेय
7.	रेणु से भेंट	सं. भारत यायावर

पाठ्यक्रम 12 (ख) अज्ञेय 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **अज्ञेय का समय एवं समाज**

तार सप्तक और अज्ञेय
प्रयोगवाद और अज्ञेय
कवि अज्ञेय
अज्ञेय और व्यक्तिवाद
अज्ञेय की काव्य-भाषा

इकाई- 2 **विचारधारा एवं गद्य रूप**

अज्ञेय की साहित्य-दृष्टि
कथाकार अज्ञेय
अज्ञेय का गद्य
अज्ञेय की कथा-भाषा

इकाई- 3 **निर्धारित कविताएँ**

1. असाध्य वीणा
2. हरी घास पर क्षण भर
3. नदी के द्वीप
4. पहला दौंगरा
5. कलगी बाजरे की
6. सोन-मछली
7. नाच
8. कितनी नावों में कितनी बार

इकाई- 4 **निर्धारित कथा-साहित्य**

उपन्यास	शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग)
कहानी	रोज़, शरणदाता, जयदोल
यात्रा वृत्तांत	एक बूँद सहसा उछली (एक यूरोपीय चिंतक से भेंट) अरे यायावर रहेगा याद (मांझुली)

निर्देश : इकाई 3 से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. वागर्थ का वैभव	रमेशचन्द्र शाह
2. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
3. अज्ञेय : काव्य का मूल्यांकन	चन्द्रकांत वांदिवडेकर
4. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट	कृष्णदत्त पालीवाल
5. अज्ञेय : विचार का स्वराज्य	कृष्णदत्त पालीवाल
6. शब्दपुरुष अज्ञेय	नरेश मेहता
7. अज्ञेय : वन का छंद	गिरीश्वर मिश्र
8. अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या	रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. अज्ञेय : एक अध्ययन	भोला भाई पटेल
10. अज्ञेय : साहित्य और चिंतन	प्रेम सिंह
11. अज्ञेय	सं. विश्वनाथ तिवारी
12. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग	श्रीलाल शुक्ल
13. अज्ञेय की जीवन दृष्टि	केदार शर्मा
14. अज्ञेय अपने बारे में	रघुवीर सहाय, गोपालदास

पाठ्यक्रम 12(ग) हबीब तनवीर 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **रंगमंच और हबीब तनवीर**

हिन्दी रंगमंच का विकास
रंगकर्म की परम्परा और हबीब तनवीर
विभिन्न रंगशैलियाँ और हबीब तनवीर
छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य

इकाई- 2 **हबीब तनवीर की रंग-दृष्टि**

नया थियेटर
रंगकर्मी हबीब तनवीर
हबीब तनवीर की रंग-भाषा
हबीब तनवीर की नाट्य-दृष्टि
हबीब तनवीर की विचारधारा

इकाई- 3 **निर्धारित नाटक**

1. आगरा बाजार
2. चरणदास चोर

इकाई- 4 **निर्धारित नाटक**

1. राजा हिरमा की अमर कहानी
2. बहादुर कलारिन

निर्देश: सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हमने हबीब को देखा है	सं. राजेन्द्र शर्मा
2.	रंग हबीब	भारतरत्न भार्गव
3.	रंग दस्तावेज़ सौ साल (दो खंड)	सं. महेश आनंद
4.	उर्दू थियेटर: कल और आज	सं. मख़मूर सईदी अनीस आज़मी
5.	रंग भाषा	नेमिचन्द्र जैन
6.	भारतीय रंगकोष (दो खंड)	प्रतिभा अग्रवाल
7.	परम्पराशील नाट्य	जगदीशचन्द्र माथुर
8.	'रंग प्रसंग' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. प्रयाग शुक्ल
9.	'सापेक्ष' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. महावीर अग्रवाल

एम.ए. हिन्दी

सत्र-4

पाठ्यक्रम 13 हिन्दी आलोचना 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **आलोचना की अवधारणा**

आलोचना का स्वरूप

प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना

इकाई- 2 **शुक्लयुगीन आलोचना**

आचार्य शुक्ल की आलोचना और साहित्य-दृष्टि

हजारी प्रसाद f}onh : परम्परा का मूल्यांकन इतिहास-दृष्टि

मध्ययुगीनता की अवधारणk : नन्ददुलारे वाजपेयी और डॉ. नगेन्द्र की आलोचना

इकाई- 3 **शुक्लोत्तर आलोचना**

प्रगतिशील आलोचनाः रामविलास शर्मा, शिवदान सिंह pkgu और नामवर सिंह,

समकालीन आलोचनाः मैनेजर पा.डेय, देवी शंकर अवस्थी, मलयज

इकाई- 4 **कवि - आलोचक एवं कथा आलोचन**

कवि- आलोचक की अवधारण-मुक्तिबोध-अज्ञय,शमशेर, विजयदेव नारायण साही अशोक वाजपेयी,

हिन्दी कथा-आलोचना की समस्याएँ

पुस्तक समीक्षा

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
2.	आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
3.	हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी	निर्मला जैन
4.	हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
5.	समकालीन आलोचक और आलोचना	रामबक्ष
6.	हिन्दी आलोचना के सैद्धांतिक आधार	कृष्णदत्त पालीवाल
7.	आलोचना की पहली किताब	विष्णु खरे
8.	साठोत्तरी हिन्दी कविता: परिवर्तित दिशाएँ	विजय कुमार
9.	कविता की संगत	विजय कुमार
10.	हिन्दी कविता : सन्दर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
11.	आज और आज से पहले	कुँवर नारायण
12.	कविता का वैभव	विनोद दास
13.	कुछ कहानियाँ कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
14.	कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
15.	कहानी समय	कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम 14 कथेतर गद्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **खड़ी बोली गद्य का विकास**

खड़ी बोली गद्य

नवजागरणकालीन परिस्थितियाँ और आधुनिक गद्य विधाएँ, साहित्येतर गद्य

इकाई- 2 **प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ**

1. निबंध 2. आत्मकथा 3. जीवनी 4. यात्रावृत्त
5. संस्मरण 6. रिपोर्ताज 7. पत्र-साहित्य
8. रेखाचित्र 9. डायरी 10. व्यंग्य 11. कथा डायरी

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

लोभ और प्रीति	(निबंध)	रामचन्द्र शुक्ल
अशोक के फूल	(ललित निबंध)	हजारी प्रसाद f}onh
अपनी खबर	(आत्मकथा)	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
आवारा मसीहा प्रथम पर्व	(जीवनी)	विष्णु प्रभाकर
चीड़ों पर चांदनी	(यात्रा संस्मरण)	निर्मल वर्मा

इकाई- 4 **निर्धारित पाठ**

घर का जोगी जोगड़ा	(संस्मरण)	काशीनाथ सिंह
भक्तिन	(रेखाचित्र)	महादेवी वर्मा
आग्नेश्का सोनी के नाम पत्र (पत्र 5)		मुक्तिबोध

वैष्णव की फिसलन (व्यंग्य) हरिशंकर परसाई
भूमि-दर्शन की भूमिका उर्फ ऋणजल (रिपोर्ताज) फणीश्वरनाथ रेणु
रेत पर खेमा (कथा डायरी) जाबिर हुसैन

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	निबंध निलय	सत्येन्द्र
2.	विधाओं की प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
3.	देश के इस दौर में	विश्वनाथ त्रिपाठी
4.	आत्मकथा की संस्कृति	पंकज चतुर्वेदी
5.	हिन्दी साहित्यकोश (भाग-2)	सं. धीरेन्द्र वर्मा
6.	गद्य विविधा	सं. जवरीमल्ल पारख
7.	सृजनशीलता एवं व्यक्तित्व	बीना श्रीवास्तव

पाठ्यक्रम 15 हिन्दी उपन्यास 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **हिन्दी उपन्यास का विकास-I**

आधुनिकता, मध्यवर्ग और उपन्यास

हिन्दी उपन्यास पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव

प्रारम्भिक उपन्यास

प्रेमचन्दयुगीन उपन्यास

इकाई- 2 **हिन्दी उपन्यास का विकास-II**

प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास

आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास

स्त्री-पुरुष संबंध और हिन्दी उपन्यास

समकालीन उपन्यास

इकाई- 3 **निर्धारित उपन्यास**

रंगभूमि	प्रेमचंद
त्यागपत्र	जैनेन्द्र कुमार

इकाई- 4 **निर्धारित उपन्यास**

वे दिन	निर्मल वर्मा
मित्रो मरजानी	कृष्णा सोबती

निर्देश: सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	उपन्यास का उदय	आयन वॉट
2.	उपन्यास और लोकजीवन	फॉक्स राल्फ
3.	उपन्यास का सिद्धांत	जॉर्ज लुकाच
4.	उपन्यास के पक्ष	ई. एम. फॉस्टर
5.	हिन्दी उपन्यास : अन्तरंग पहचान	प्रेम कुमार
6.	हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
7.	हिन्दी उपन्यास : पहचान एवं परख	इन्द्रनाथ मदान
8.	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
9.	सिलसिला	मधुरेश
10.	हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन.
11.	उपन्यास की शर्त	जगदीश नारायण श्रीवास्तव
12.	हिन्दी उपन्यास : सार्थक की पहचान	मधुरेश
13.	उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
14.	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चन्द्रकांत वांदिवडेकर
15.	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	सं. नामवर सिंह

पाठ्यक्रम 16 (क) भारतीय साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **भारतीय साहित्य का परिचय**

भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य की विशिष्टताएँ

इकाई- 2 **भारतीय साहित्य की विभिन्न परम्पराएँ**

भारतीय काव्य परम्परा
भारतीय नाटक की परम्परा
भारतीय dFkk-ijijk भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई- 3 **निर्धारित कविताएं**

अभिसार कृष्ण कली, रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंXला)
m|kxh] स्वतंत्रा देवी की स्तुति, सुब्रgमण्यम भारती (तमिल)
सबसे खतरनाक, हम लड़ेंगे साथी- पाश (पंजाबी)
तेरे लिए मेरी खामोशी में, एक मौलिक संशोधन- वरवर राव (तेलुगु)

इकाई- 4 **निर्धारित गद्य साहित्य**

उपन्यास : संस्कार आर. यू. अनंतमर्ति (कन्नड़)
छै बीघा जमीन फकीर मोहन सेनापति (उ़ि डय़ा

नाटक : घासीराम कोतवाल विजय तेंदुलकर (मराठी)

कहानियाँ : Ckk< में शिवशंकर पिल्लै Rkdf"k (मलयालम)
आत्मा का सौन्दर्य पीताम्बर पटेल (गुजराती)

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		Lkfeukj	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका — इन्द्रनाथ चौधुरी
2. भारतीय साहित्य की भूमिका — रामविलास शर्मा
3. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास — रामविलास शर्मा
4. भारतीय नयी कविता — कृष्णदत्त पालीवाल
5. भारतीय साहित्य; स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ — के. सच्चिदानंद
6. भारतीय साहित्य तुलनात्मक दृष्टि (लेख-सर्जन और संदर्भ) अज्ञेय

पाठ्यक्रम 16 (ख) संस्कृत साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **संस्कृत साहित्य का विकास क्रम**

वैदिक साहित्य

वेद, **ckge.k** ग्रंथ, आरण्यक, उपनिषद

पौराणिक महाकाव्य : रामायण महाभारत

इकाई- 2 **लौकिक साहित्य : काव्य एवं गद्य**

लौकिक काव्य यात्रा

नीतिकाव्य

आख्यान की परम्परा

नाटक की परम्परा

इकाई- 3 **निर्धारित कविताएँ**

वाल्मीकि रामायण : बालकांड

प्रथम सर्ग : **'ykd** सं 8 से **'ykd** सं 20 तक

गीता - (अध्याय दो) : श्लोक सं 11, 13, 19, 20, 22, 23, 27, 37, 38, 47

माघ - शिशुपालवध : एकादश सर्ग : श्लोक सं 8, 15, 25, 40, 44, 45, 49, 53, 57, 64

जयदेव - गीतगोविन्द:

वाग्देवताचरितचित्रितचित्तस nek

ललितलवङ्ग लतापरिशीलन

विश्वेषामनुरंजंनेन जनयन्नानन्दमिन्दीवर

किं करिष्यति किं वदिष्यति सा चिरं विरहेण

हृदि बिसलताहारो नायं भुजङ्गमनायक:

तानि स्पर्शसुखानि ते च तरलाः स्निग्धार्विभ्रमा

हरिरिति हरिरिति जपति सकामम्

कुसुमविशिखशरतल्पमनल्पविलासकलाकमनीयम

त्वद्वाम्येन समं समग्रमधुना तिग्मांशुरस्तंगतो
किं विश्राम्यसि कृष्णभोगिभवने भाण्डीरभूमीरुहि

भर्तृहरि- नीतिशतक (पुनर्रचनाः राजेश जोशी)

(इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इस)

इकाई- 4 **निर्धारित कथा एवं नाट्य साहित्य**

कालिदास -विक्रमोवर्शीयम्

बाणभट्ट कादम्बरी (पुनर्रचना: राधाबल्लभ त्रिपाठी)

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास — बदलेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — रामजी उपाध्याय
3. क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर — ए.बी. कीथ
4. संस्कृत ड्रामा — ए.बी. कीथ
5. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर — मैकडानल
6. संस्कृत साहित्य विमर्श — vpk; f}tUnukFk

पाठ्यक्रम 16 (ग) उर्दू साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **उर्दू भाषा एवं साहित्य का विकास**

उर्दू भाषा का विकास

उर्दू कविता का विकास

उर्दू गद्य का विकास

इकाई- 2 **उर्दू के विविध रूप**

देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

उर्दू के विभिन्न काव्य-रूप

इकाई- 3 **निर्धारित कविताएँ**

मीर तकी मीर : उल्टी हो गई सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया

: हस्ती अपनी हबाब की सी

मिजा ग़ालिब : बाजीचा अत्फ़ाल है दुनिया मेरेआगे

: हरेक बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है

नज़ीर अकबराबादी : आदमीनामk

फैज़ अहमद फ़ैज : मुझसे पहली सी मुहब्बत मेरे महबूब न मांग (नज़्म)

: बोल (नज़्म)

फ़िराक़ गोरखपुरी	:	हर जलवे से (रुबाई)
	:	किस दरजा सुकूंनुमा हैं (रूबाई)
	:	आँसू से भरे-भरे (रुबाई)
	:	चेहरे प' हवाइयाँ (रूबाई)
	:	लहरों में खिला कंवल (रूबाई)
परवीन शाकिर	:	कमालेज़ब्त को तो मैं भी आजमाऊँगी
	:	श्याम मैं तोरी.... (नज़्म)

इकाई- 4 **निर्धारित गद्य साहित्य**

मीर अम्मन	बाग़ो बहार (किस्सा पहले दरवेश का)
इन्तिज़ार हुसैन	बस्ती (उपन्यास)
कुर्रतुल ऐन हैदर	अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो (उपन्यास)
इस्मत चुग़ताई	घरवाली (कहानी)
राजेन्द्र सिंह बेदी	भोला (कहानी)
सआदत हसन मंटो	नूरजहाँ (रेखाचित्र)

निर्देश : सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	उर्दू साहित्य का इतिहास	एजाज हुसैन
2.	उर्दू साहित्य का इतिहास	ब्रजरत्न दास
3.	उर्दू भाषा और साहित्य	फ़िराक़ गोरखपुरी
4.	उर्दू कविता	फ़िराक़ गोरखपुरी
5.	उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	एहतेशाम हुसैन
6.	उर्दू काव्य की जीवनधारा	मुहुसैन आज़ाद .
7.	उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि	कलीमुद्दीन अहमद
8.	यादगारे ग़ालिब	अल्ताफ़ हुसैन हाली
9.	बाग़ो बहार	मीर अम्मन (अनु. अब्दुल बिस्मिल्लाह)
10.	उर्दू प्रेस और ब्रिटिश शासन	अब्दुल मुजीब खां
11.	उर्दू हिन्दी की प्रगतिशील कविता	असग़र वजाहत
12.	उर्दू साहित्य कोश	कमल नसीम
13.	उर्दू आलोचना	पूर्णमासी राय
14.	जिक्रे - मीर	(अनु. अजमल अजमली)
15.	उर्दू का आरम्भिक युग	शम्सुर्रहमान फ़ारुक़ी (अनु. कृष्णमोहन)